स्टूडेंट्स के सपनों पर पानी फेर गई बाढ़, पलायन को मजबूर

जलभराव के चलते 2500 से अधिक प्रतियोगी छात्रों ने शहर छोड़ा, हॉस्टल और लॉज के कमरों में घुसा पानी

PICS: DAINIK JAGRAN I NEXT

Flood Live

नदी, तालाब, तिलंबे और जलाशयों का हाल

अपडेट, स्थानीय, छोटा बाजार स्थानीय छात्र इलाकों की घटनाएं



जलभराव के चलते लोगों को नाव से हुआ इलाका.



अपनी सामानों को सुरक्षित करके ले जाते हुए लोग.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (20 Aug): दिन भर हुई तेज बारिश और जलभराव ने शहर के कई इलाकों को पूरी तरह से ठप कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों से लेकर घरों के अंदर तक पानी भर चुका है। इसका सीधा असर उन हजारों छात्रों पर पड़ा है, जो यहां विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। कई छात्रों के कमरों में पानी घुस गया है, जिससे उनकी किताबें, नोट्स और जरूरी सामान पूरी तरह से भीग गया है। कई छात्रों को मजबूरन अपने कमरे खाली करने पड़े हैं।

पानी के बीच पढ़ाई नहीं, अब घर लौटने की मजबूरी

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए यह दिन भी पढ़ाई में पूरा होना था। नुकसान भयंकर था। लेकिन इस बार हालात ने उनकी तैयारियों में रुकावट पैदा कर दी। प्रभावित छात्रों ने प्रशासन से मांग की है कि सरकार इस मुश्किल समय में उनकी मदद करे। इसके लिए या तो परीक्षा की तारीखें आगे बढ़ाई जाएं या फिर ऑनलाइन परीक्षा की व्यवस्था की जाए, ताकि वे अपने घरों से ही परीक्षा दे सकें।

कमरा छोड़ा तो खाना ले जाए पूरी छोटी गृहस्थी

प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों को सिर्फ सिविल लाइंस और सोलिस लाइन जैसे इलाकों में ही नहीं, बल्कि कई अन्य इलाकों में भी अच्छे कोचिंग संस्थान हैं। ऐसे में यहां हर साल बड़ी संख्या में छात्र आते हैं। इनमें से कई छात्र ऐसे होते हैं, जो अपने घर से बहुत दूर रहकर पढ़ाई करते हैं। ऐसे छात्रों के लिए कमरा ढूंढना और उसे छोड़ना, दोनों ही बड़ी चुनौती होते हैं। जब कमरा छोड़ने की बारी आती है, तो उनके सामने सबसे बड़ी समस्या होती है कि अपने घर तक इतना सारा सामान कैसे ले जाएं।

प्रयागराज में छात्र आबादी और बाढ़ का असर

करीब 5 लाख प्रतियोगी छात्र

2025 की रिपोर्ट में नवाबी, बाढ़ा, बेली, अलोपबाग, मीरापुर, हेतिमपुर, मम्फोर्डगंज, उदयगंज, सोरांवगंज, कुरहना-मनवर, मऊआइमा और हैरान कस्बा शहर के उन्हीं हिस्सों में रहने आबादी का अनुमान.

करीब 88 हजार छात्र

2025 की बाढ़ में लोगिन मकानों के अनुमान के मुताबिक नदि और किनारे के इलाकों प्रभावित हुए लोग.

400 से ज्यादा लाइब्रेरी

2025 की बाढ़ के दौरान छोटा बाजार, सलोरी, रामबाग और मुख्य मार्केट समेत प्रभावित छात्र इलाकों में बंद हुई.

प्रमुख प्रभावित छात्र इलाके

छोटा बाजार, सलोरी, रामबाग, मुख्य मार्केट समेत लगभग - स्थानों के प्रशासन के कई छात्र रहते.

बाढ़ित से छात्रों की छोटी गृहस्थी में बना विनाश



- कमरे और रसोइया में पानी भरा
- बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक सामान
- गैस चूल्हे और दूसरे सामान क्षतिग्रस्त
- सामान पानी में डूबकर हुआ
- सिलेंडर और मोटर पंप का
- किताबों से भरे बैग और अटैची हुए
- सड़क और मुख्यी पानी में पानी
- करीब 2000 छात्रों से शहर छोड़ा

तीन दिन की बारिश ने हजारों परिवारों की जिंदगी बदली

बारिश का असर सिर्फ छात्रों के ठिकानों और लॉज तक सीमित नहीं है, शहर के उन्हीं सिलाई इलाकों में भी देखने के मिलते हैं जहां पानी भरने से हुई है. उदाहरण बाढ़ा निवासी के अनुसार करीब कम हजार क्षतिग्रस्त आसपास में परेशान हैं, कपड़ों के लोग नया, महुआ खोजियों, एकता नगर, चौक नगर, डी कालिज, जोशे अलियाबाद, उदयगंज कोलोनी और इलाकाबाद नगर में भी आसपास की रिपोर्ट करी हुई है, उदयगंज, अलगढ़ा, नहर बाजार, आजादनगर, टैगोर टाउन, मुहैल, अलोपबाग, मैनी और झूसी के कई घर भी इसमें हैं. मुख्यमंत्रिक निवासियों के घर में घुसे हैं.

छात्रों के लिए बारिश का लगातार पढ़ाई का नुकसान भी

प्रतियोगी छात्रों को लगातार पढ़ाई बिना किसी रुकावट का नुकसान नहीं है, शहर छोड़ने के बाद हजारों पढ़ाई बंद हुना तो तुरंत टूट गया है, कई छात्र ऐसे हैं जो परीक्षा की तिथियों के लिए लोगिनों से प्रयागराज में रह रहे थे, कोचिंग, लाइब्रेरी, टेस्ट सीरीज और मटेरी स्टडीज बंद पड़ गए जिसके से कई छात्र हैं. आजकल सभी छोड़ने पर एक पूरा दिनचर्या प्रभावित होता है, दूसरी जगह आने पर नया कमरा ढूंढना, खाना पकाना और दोबारा पढ़ाई शुरू करना, यह पूरी प्रक्रिया बहुत समय खपाती है. जिन छात्रों की तिथियां या परीक्षा पास ही थी, उनके पढ़ाई की सारी मेहनत के अधूरी रहने की.

प्रभावित इलाके

1. अलोपबाग
2. अलगढ़ा
3. सलोरी
4. छोटा बाजार
5. मुख्य बाजार
6. रामबाग
7. सिविलाइंस
8. मुख्य मार्केट
9. बालगंज
10. बाघी बाग
11. रामबाग



इस खबर से जुड़ी वीडियो देखने के लिए स्कैन करें या व्हाट्सऐप करें.

PRAYAGRAJ CALLING!

छात्र बारिश से बाधाग अलगढ़ा कराया भी जलभराव हुआ, सिलाई और रामबाग खराब हुए और पर लौटना पड़ा?

हमें व्हाट्सएप करें 6393082850

जलभराव को लेकर प्रदर्शन, नारेबाजी



- बारिश से शहर में जलभ- लगाए हुए जलभराव को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नुकसान की निर्धारित लाइव किया जलभर निराशाजनक के साथ साथ प्रशासन किया. कलेक्ट्रेट के खिलाफ नारेबाजी की. जाम गया कि यानी, नारेबाजी और नीचर की मांगों में भाजपा किया गया है. प्रदर्शन सम्मिलित लोगों को भुगतान हड़ गया है. गंगापारी से जाम किया जाएगा. जिलाध्यक्ष अजित यादव व महानगर अध्यक्ष इलेवेटर हुसैन ने कहा कि जलभराव को लेकर समय रहते अधिक सतर्कता नहीं उठाए गए. महानगर महासचिव मोहि यादव, महिला सभा की महानगर अध्यक्ष मधु यादव, अखण्ड दुबे, हरीश साहू, अतुल ने कहा कि खानापूर्ति के लिए नाले, नालियों और सीवर की सफाई की गई.

- मयंक यादव, भी, रहीमन ने कहा कि भाजपा सरकार ने लोगों की उम्मीदोंको हरी अन्नदेखी की है. ग्रामीण इलाक में ज्यादा नीच गया. इसमें खास तो ज्यादा, टैगोर टाउन, मुहैल, पुरुषमऊ, नीच नगर, झलिनी, अलोपबाग, नीलमपुरी, अलगढ़ा, सलोरी, बाढ़ा आदि मुहल्ले में अभी भी बारिश का पानी भरा हुआ है. दोबारा दी गई यदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण नहीं गई हुआ तो बड़े आंदोलन होगा. इस दौरान जमनी बाढ़ा, कल्याणी मुन्ना, टैगोरान, नीलम बाढ़ा, अंटी खान, मनीम नीलमपुर, मक्का बाढ़ा आदि मौजूद रहे.

सिलिल किया जाने का प्लैट

बारिश के कारण शहर के कई मुहल्लों में जलभराव की स्थिति के निपटने व उन्हीं लोगों को मदद के लिए महापौर गंगापारी के कार्यालयों ने रोजे. महानगर अध्यक्ष संजय मुखर के आह्वान पर उन्हीं लोगों के बीच खाद्यसामग्री बांटी गई. संगठन प्रवक्ता अजय यादव ने बताया कि जलभराव से प्रभावित लोगों के बीच खाद्यसामग्री बांटी गई. संगठन प्रवक्ता अजय यादव मुखर के आह्वान पर